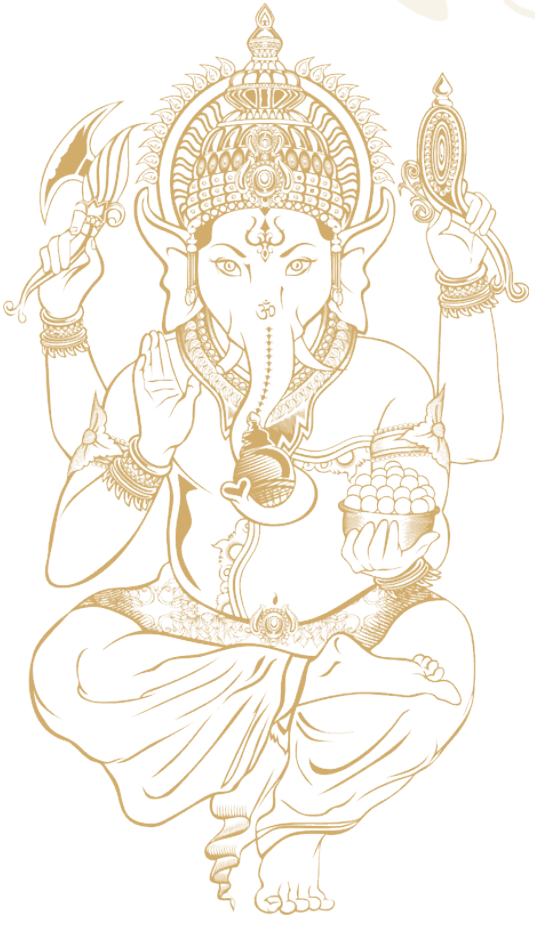

Mr.Akash kumar Singh

Ms. Sakshi kumari Singh

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119606214

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
07/12/1992	जन्म तिथि	21/12/1999
सोमवार	दिन	मंगलवार
घंटे 10:15:00	जन्म समय	09:30:00 घंटे
घटी 10:26:56	जन्म समय(घटी)	08:14:49 घटी
India	देश	India
Kolkata	स्थान	Gopalganj
22:34:00 उत्तर	अक्षांश	26:28:00 उत्तर
88:21:00 पूर्व	रेखांश	84:26:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:23:24	स्थानिक संस्कार	00:07:44 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:04:13	सूर्योदय	06:35:54
16:52:07	सूर्यास्त	17:04:23
23:45:46	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:09

विंशोत्तरी
शुक्र 14वर्ष 3मा 16दि

मंगल	
25/03/2023	
25/03/2030	
मंगल	21/08/2023
राहु	08/09/2024
गुरु	15/08/2025
शनि	24/09/2026
बुध	21/09/2027
केतु	17/02/2028
शुक्र	18/04/2029
सूर्य	24/08/2029
चन्द्र	25/03/2030

ग्रह	राशि	अंश
लग्न	मक	22:48:30
सूर्य	वृश्चि	21:34:34
चंद्र	मेष	17:08:11
मंगल	कर्क व	03:23:30
बुध	वृश्चि	01:03:23
गुरु	कन्या	16:52:03
शुक्र	मक	04:25:23
शनि	मक	20:15:48
राहु	वृश्चि व	27:45:21
केतु	वृष व	27:45:21
हर्ष	धनु	22:29:57
नेप	धनु	23:42:12
प्लूटो	तुला	29:58:56

ग्रह	राशि	अंश
लग्न	मक	18:36:51
सूर्य	धनु	04:58:16
चंद्र	वृष	12:40:46
मंगल	मक	25:19:25
बुध	वृश्चि	20:43:33
गुरु	मेष	01:09:27
शुक्र	तुला	24:05:42
शनि	मेष	16:52:56
राहु	कर्क	10:17:37
केतु	मक	10:17:37
हर्ष	मक	20:24:59
नेप	मक	08:57:09
प्लूटो	वृश्चि	17:11:21

विंशोत्तरी
चन्द्र 7वर्ष 11मा 26दि

राहु	
17/12/2014	
17/12/2032	
राहु	29/08/2017
गुरु	23/01/2020
शनि	29/11/2022
बुध	17/06/2025
केतु	06/07/2026
शुक्र	06/07/2029
सूर्य	30/05/2030
चन्द्र	29/11/2031
मंगल	17/12/2032

लग्न-चलित

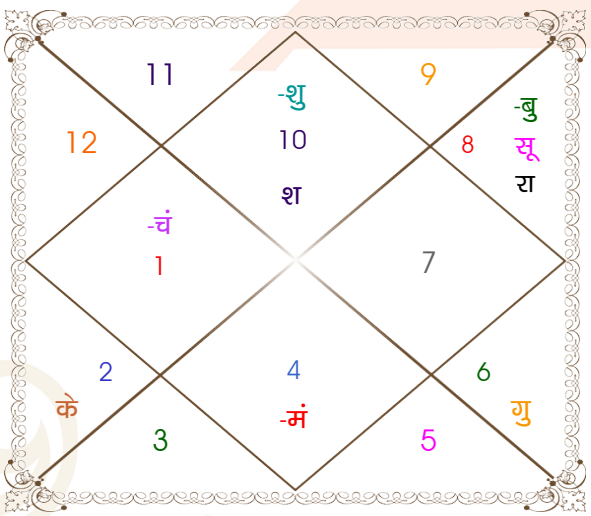

लग्न-चलित

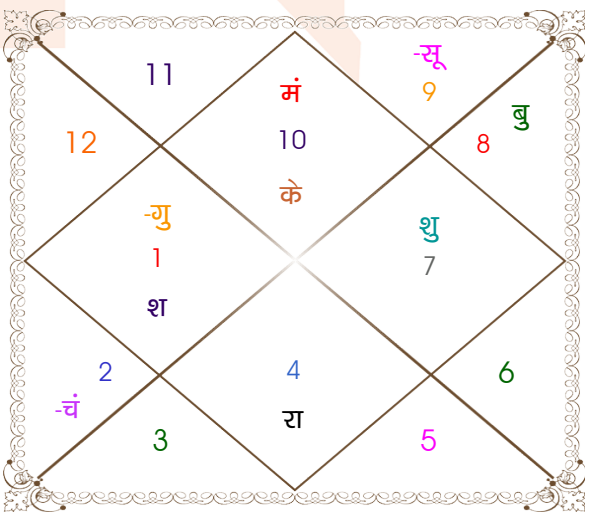

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शुक्र	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Mr.Akash kumar Singh का वर्ग मृग है तथा Ms. Sakshi kumari Singh का वर्ग गरूड़ है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.Akash kumar Singh और Ms. Sakshi kumari Singh का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.Akash kumar Singh मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है। क्योंकि मंगल Mr.Akash kumar Singh कि कुण्डली में सप्तम् भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr.Akash kumar Singh कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. Sakshi kumari Singh मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में सप्तम भाव में कर्क राशि तथा लग्न में मकर राशि का

मंगल हो तब मंगली दोष समापत समझना चाहिए।

क्योंकि मंगल Ms. Sakshi kumari Singh कि कुण्डली में प्रथम भाव में मकर राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms. Sakshi kumari Singh कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Ms. Sakshi kumari Singh कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Mr.Akash kumar Singh कि कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mr.Akash kumar Singh कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.Akash kumar Singh तथा Ms. Sakshi kumari Singh में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।